St. Albans School	Class IV	Curriculam Hindi (2018-19)						
S.	concept	objectives	Skills	Learning Styles	Activity	Subject Integration	Outcome	Assessment
1	**गद्य** **1. कहानी** **2. हास्य कथा** **3. प्रेरक प्रसंग** **4. एकांकी**	**सामान्य उद्देश्य** - रचनात्मकता का विकास , अभिव्यक्ति की क्षमता का विकास करने की क्षमता, तर्क- वितर्क करने की क्षमता का विकास । पाठ के मूल भाव को समझना एवं ज्ञान को क्रियात्मक रूप देना । अर्थ बोध की क्षमता का विकास उत्पन्न करना। पाठ के मूल भाव से सम्बन्धित अन्य कहानियों को सुनना व सुनाना।	1 . पठन , वाचन , लेखन व् श्रवण कौशल का विकास । 2. सामाजिक कुशलता एवं भावनात्मक कौशल का विकास । 3. सहानुभूति का विकास । 4. समालोचनात्मक चिंतन का विकास । 5. निर्णय लेने की क्षमता का विकास । 6. स्वयं की पहचान करने की योग्यता का विकास । 7. चिंतन कौशल का विकास ।	1. Linguistic 2.interpersona 3. Kinesthetic/ bodily 4.visual 5. logical 6.naturalististic 7.intrapersonal	पाठ- पठन , प्रश्नोत्तर पर चर्चा। लोक- कथा सुनना ,स्वानुभव प्रस्तुति। नाट्य- रूपांतरण । चित्र- वर्णन, कहानी को चित्र के माध्यम से प्रस्तुत करना । श्रवण- कौशल , मूल्यांकन , आलोचनात्मक ,विवचेना करना । प्रकृति का अवलोकन व् उससे संबंधित कहानी , कविता , लेख आदि लिखना । छात्र जैनेन्द्र कुमार ,वीरेंद्र जैन , सुसुमंगल प्रकाश ,प्रेमचंद ,नरेंद्र तथा एन. रघुरामन आदि लेखकों के बारे में बताएंगे ।	मुंशी प्रेमचंद , वीरेंद्र जैन के अन्य कहानियाँ। **विज्ञान**- पेड़- पौधो के विषय में कौन- कौन से पक्षी अंडे देते हैं ,अंडों की सुरक्षा कैसे की जाती है व् अंडों से बच्चे किस प्रकार निकलते हैं । **नैतिक शिक्षा** - समाज सेवक बनना, दूसरों की भावनाओं की इज्जत करना तथा दूसरों की प्रति कुछ कर गुजरने का भाव रखना ।	विद्यार्थियों की शब्द ज्ञान में वृद्धि ,रचनात्मकता का विकास ,भाषा ज्ञान की वृद्धि । लेखन और पठन कौशल का विकास । चिंतन मनन की शक्ति का विकास । अभिनय कौशल का विकास । संवेदन शीलता का विकास । श्रवण कौशल का विकास । ज्ञान को क्रियात्मक रूप देने का विकास ।	श्रुतलेख द्वारा आंकलन । सार लेखन द्वारा आंकलन । प्रश्नों की उत्तर बोलकर लिखने से मौखिक एवं लिखित दोनों आधारों पर मूल्यांकन होगा । इसके लिए संक्षिप्त विस्तृत एवं बहु विकल्पीय प्रश्न पूछे जायेंगे । नाटक अभिनय में भाव- भंगिमाएँ , संवाद- वाचन ,प्रस्तुतीकरण , विषय- वस्तु आदि की आधार पर मूल्यांकन होगा । भाषिक क्षमता की साथ- साथ उनकी तार्किकता , कल्पनाशक्ति ,सृजनात्मकता का मूल्यांकन , अनुच्छेद लेखन ,चित्र- वर्णन आदि में किया जाएगा ।
2	**चिडिया की बच्ची(कहानी) पाठ- 2** **नौकरी की शर्त (हास्य कथा) पाठ-3** **दातुन बनी ईंधन (प्रेरक प्रसंग)पाठ - 4** **गुब्बारे मे चीता (कहानी) पाठ -6** **अन्डे के छिलके (एकांकी)पाठ- 7** **परीक्षा की देन (प्रेरक- प्रसंग) पाठ -8**	**विशिष्ट उद्देश्य –** **पाठ-२** कहानी का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता का महत्त्व ,पशु-पक्षियों के प्रति प्रेम,बुद्धिमत्ता ,प्राणी जगत का सूक्ष्म अवलोकन ,करुणा व मातृत्व का भाव उत्पन्न करना। **पाठ-३** इस कहानी का मुख्य उद्देश्य समस्याओं का समाधान ,आशावादिता ,आपसी प्रेम,दूसरों की भावनाओं को समझना तथा उनका मजाक न उड़ाना है **पाठ-४** इस प्रेरक प्रसंग का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण के प्रति जागरूकता ,प्रदूषण के प्रति सजगता, वृक्षारोपण करना,वस्तुओं का सदुपयोग करना,प्रकृति-रक्षण तथा वातावरण के विभिन्न उपादानों के प्रति सजगता रखना है। **पाठ-६** कहानी का मुख्य उद्देश्य जिज्ञासु होना,साहस व सहज बुद्धि का प्रयोग करना, विवेक, निडरता,हास्य-विनोद, व्यंग्य आदि भाव उत्पन्न करना है । **पाठ-७** एकांकी नाटक का मुख्य उद्देश्य जीव-जंतुओं के प्रति संवेदना उत्पन्न करना,प्राकृतिक संतुलन बनाए रखना,अधिकाधिक वृक्षारोपण ,प्रदूषण के प्रति सजगता ,प्रकृति चक्र व जीवन चक्र बनाए रखना है। **पाठ-८** इस प्रेरक प्रसंग का मुख्य उद्देश्य समाज सेवा करना,कुछ कर गुज़रने का भाव रखना,आपसी सहयोग ,विनम्रता, चिंता समाधान निकलना है।							

	पद्य खंड यह है त्योहारों का देश पाठ-1 सर्कस का सिंह पाठ-5 गीत खुशी के पाठ-9 शरद का आकाश पाठ-13	**सामान्य उद्देश्य** - कविता का सस्वर वचन, उचित लय एवं सुर का ज्ञान , कठिन शब्दों का अर्थ, कविता के भाव को समझना , कल्पनाशक्ति एवं सृजनातमकता का विकास, तुकांत शब्दों एवं प्रवाह का ज्ञान। **विशिष्ट उद्देश्** पाठ -१ छात्रों में संस्कृति , समाज और रीति- रिवाज़ों के बबबबबबारे में जानकारी , परम्परा से जुड़ाव , परस्पर - प्रेम एकता के भावना तथा धर्मनिरपेक्षता के महत्तव को समझाना । पाठ-५ कविता के माध्यम से हास्य-विनोद, हाजिर-जवाबी , पशु- जगत के प्रति संवेदना, प्रेम व् अपनापन बताया जाएगा ।	वाचन व् लेखन कौशल का विकास , संवेदनशीलता का विकास, सौंदर्य - बोध एवं कविता को समझना , उचित लय एवं सुरका ज्ञान , तुकांत शब्दों का ज्ञानस्वयं कविता लिखने की योग्यता का विकास , सामाजिक कुशलता एवं भावनात्मक कुशलता का विकास	Linguistic, interpersonal, intrapersonal, logical, naturalistic, visual, musical	स्वरचित कविता लेखन । कविता के भाव समझना एवं लिखना , सुनना। 'पतंग ' पर स्वरचित कविता- लेखन । चित्र देखकर कहानी लिखना । सौमंडल का चित्र अथवा मॉडल तैयार करवाना । विज्ञापन - लेखन , चार्ट निर्माण (मौसम पर आधारित कपड़ों की सेल)।	अंग्रेजी ---- भारत के त्योहारों की पूर्ण जानकारी । त्योहारों के माध्यम से समाज को संस्कृति से जोड़े रखना । विज्ञान ---- पशु- पक्षियों के परतो प्रेम रखना । सामाजिक विज्ञान ---- सौर- मंडल का परिचय । ऋतु ज्ञान	विद्यार्थियों में संवेदनशीलता का विकास होगा । कविता के भाव समझेंगे । अर्जित ज्ञान को क्रियात्मक रूप दे सकने में सक्षम होंगे । सृजनात्मकता एवं चिंतन मनन की शक्ति का विकास होगा । समालोचनात्मक विवेचन करने का विकास होगा । भाव - सौंदर्य को समझ सकेंगें । स्वयं कविता रचना की प्रेरणा मिलेगी तथा तुकांत शब्दों का ज्ञान होगा ।	कविता गायन का मूल्यांकन उचित उच्चारण , प्रभाव लय तथा आरोह - अवरोह के आधार पर किया जाएगा । काव्यांश आधारित प्रश्न-उत्तत (लघु- दीर्घ) द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा । स्वरचित कविता का मूल्यांकन , विषय- वास्तु एवं वर्तनी के आधार पर किया जाएगा । तुकांत शब्दों को भी देखा जाएगा ।
2								
	व्याकरण --(प्रकार्यात्मक , प्रयोगात्मक और व्यावहारिक) **१ हमारी हिंदी भाषा** **२ वर्ण और शब्द** **३ संज्ञा** **४ सर्वनाम** **५ क्रिया** **६ लिंग** **७ वचन** **८ विलोम** **९ पर्यायवाची** **१० वाक्यांश** **११ चित्र- वर्णन** **१२ अनुच्छेद लेखन**	विशिष्ट उद्देश्य ---- पाठ -१ " हमारी हिंदी भाषा |" हम किस प्रकार अपने मन के विचारों को व्यक्त कर सकते हैं । मौखिक और लिखित भाषा -- क्या है बताना । लिपि क्या है, यह भी बताना । पाठ--२ " वर्ण और शब्द " वर्ण क्या है ? यह जानना। स्वर और व्यंजन से वर्णमाला बनती है यह जानना। वर्णोंके मेल से शब्द बनते है । पाठ-४ " संज्ञा" किसी व्यक्ति, वस्तु ,स्थान प्राणी या भाव के नाम को संज्ञा कहते हों ।-- यह बताना। जातिवाचक, भाववाचक और व्यक्तिवाचक संज्ञा भी बताना । पाठ-७ 'सर्वनाम ' सर्वनाम शब्दों का प्रयोग संज्ञा शब्दों के स्थान पर किया जाता है यह बताना ।	**श्रवण कौशल**--- दिए गए कार्य को ध्यानपूर्वक सुनकर समझ सकेगा और उसका उचित प्रयोग कर सकेगा । **वाचन- कौशल** ---- संज्ञा सर्वनाम क्रिया आदि का प्रयोग कर छात्र शुद्ध वाचन कर सकेगा। निहित कार्यों का शुद्ध वाचना कर सही ढंग से उसका प्रयोग करेगा । **लेखन- कौशल**---- व्याकरण का प्रयोग कर भाषा को संखेगा और अनुच्छेद लेखन कर्जा । चित्र देख कर सुन्दर वाक्यों की संरचना करेंगे । छात्र संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया आदि शब्दों प्रयोग शुद्ध रूप से कर सकेगा। लिंग , वचन का सही रूप से प्रयपग कर सकेगा । अपठित	linguistic (word smart) kinesthetic (body smart) interpersonal (people smart)	छात्र पाठ- पठान के अंतर्गत नए- नए शब्दों का प्रयोग कर सकेगा । विभिन्न कौशलों के अंतर्गत नए- नए शब्दों से परिचित होंगे । वर्ग- पहेली के द्वारा संज्ञा से परिचित होंगे । दो दल बनाकर- एक दल संज्ञाशब्द बोलेगा और दूसरा उसका भेद बताएगा । वर्ण- विचार में विभिन्न वर्णों का शुद्ध उच्चारण करेंगे । शरीर के विभिन्न अंगों को चुकार उनके नाम बताएंगे और स्पष्ट करंगे कि यह शब्द संज्ञा है । कक्षा में विभिन्न क्रियाएं करेंगे (कूदना, गाना, लिखना) और इससे यह स्पष्ट करेंगे कि यह सब क्रिया शब्द हैं । अनुच्छेद लेखन के द्वारा संज्ञा व् सर्वनाम आदि के प्रयोग समझेंगे । व्याकरण के विभिन्न विषयों पर विचार करेंगे ।	**english-** noun ,pronoun ,verbs ,gender , number ,opposite,etc.	व्याकरण का प्रयोग कर भाषा को प्रभावी ढंग से प्रयोग में लाएँगे । वाक्य निर्माण करते समय वभिन्न व्याकरणिक शब्दों का प्रयोग करेंगे । संज्ञा , सर्वनाम लिंग, वचन ,विलोम पर्यायवाची का प्रयोग सीखेंगे । अनुच्छेद - लेखन में प्रभावशाली शब्दों का प्रयोग कर पाएँगे । छात्र निर्धारित व्याकरण को सैद्धांतिक रूप से समझ कर प्रायोगिक रूप में उसका प्रयोग करेंगे ।	लिखित व् मौखिक परीक्षाओं द्वारा छात्रों का मूल्यांकन किया जाएगा । भाषा में वर्णों का शुद्ध प्रयोग । संज्ञा , सर्वनाम तथा क्रिया का ध्यान रखते हुए वाक्य निर्माण । वाक्यों में लिंग और वचन का ध्यान रखते हुए क्रिया में बदलाव । वर्ग- पहेली द्वारा मूल्यांकन करना । अनुच्छेद लेखन द्वारा मनोभावों का मूल्यांकन करना । मूल्यांकन के समय उनकी प्रत्येक गतिविधि का निरिक्षण किया जाएगा ।

	पाठ-9 विशेषण **पाठ-10 क्रिया** **पाठ-19 विराम चिन्ह** **पाठ-20 सामान्य अशुधियां** **गिनती 31-100 अंकों व शब्दों में**	**सामान्य उद्देश्य** ---- भाषा के शुद्ध रूप का गया । भाषा कि नियमबद्ध प्रकृति की पहचान और उसका विश्लेषण । निर्धारित व्याकरण का प्रायोगिक रूप में ज्ञान करवाना । मौखिक और लिखित अभिव्यक्ति में सम्पूर्ण भाषा- शेल्ली का विकास । भाषा ज्ञान में वृद्धि । व्याकरण के प्रति रूचि, जागरूकता तथा उसके महत्तव को बढ़ाना ।	**आषण कौशल** ---- भाषा में विभिन्न संज्ञा , सर्वनाम और क्रिया शब्दों का प्रयोग कर भाषा को सहज, सुन्दर और सुदृढ़ बनाएँगे । लिंग व् वचन शब्दों का सही प्रयोग कर सकेंगे ।वाक्यांश के लिए एक शब्द का प्रयोग करेंगे ।	picture smart self smart music smart nature smart	चित्र के आधार पर चित्र वर्णन करेंगे । चित्र देखकर संज्ञा बताएंगे । चित्र देख कर संज्ञा बताएँगे । लिंग, वचन आदि का प्रयोग कर वाक्य बनाएँगे । दिए गए विषयों पर अनुच्छेद लिखेंगे । सर्वनाम पर आधारित कहानी वाचां करेंगे। संज्ञा , सर्वनाम आदि क्या हैं ------ इसकविता के रूप में गाकर याद करेंगे । गिनती पर आधारित कविता गाएँगे। प्राकृतिक चित्रों का वर्णन करेंगे । प्राकृतिक विषयों पर अनुच्छेद लिखेंगे । प्रकृति में विद्यमान संज्ञा संज्ञा बताएंगे तथ उनके भेद भी जानेंगे । पर्यावरण पर आधारित		
	श्रवण कौशल	श्रवण कौशल ----- ध्यान से कहानी सुनकर प्रश्नों के उत्तर देना ।					